

कोंडा रेड्डी जनजात के ज्ञान की उपयोगिता

स्रोत: द द्रिष्टि

हाल ही में वन अधिकारियों को यह पता चला कि एक भारतीय लॉरेल वृक्ष या भारतीय सलिवर ओक (फाइकस माइक्रोकार्पा) की छाल, विशेषतः गर्मियों में, जल का भंडारण करती है। जैसा कि कोंडा रेड्डी जनजात द्वारा दावा किया जाता है।

- मूलतः भारतीय लॉरेल वृक्ष दक्षिण पूर्व एशिया और भारत के क्षेत्रों में पाए जाते हैं, यह उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्णकटिबंधीय जलवायु में उगते हैं। यह चमकदार, घने हरे पत्ते वाले सदाबहार वृक्ष होते हैं, और इसके लेटेक्स रस का उपयोग रबर उत्पादों के निर्माण में किया जाता है।
- कोंडा रेड्डी जनजात गोदावरी क्षेत्र में पापीकोंडा पहाड़ी शृंखला (आंध्र प्रदेश) में निवास करने वाले कमजोर आदिवासी समूह हैं और उनकी मातृभाषा तेलुगू है।
- पापीकोंडा राष्ट्रीय उद्यान (Papikonda National Park- PNP) को वर्ष 1882 में आरक्षित वन, वर्ष 1978 में वन्यजीव अभयारण्य और वर्ष 2008 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था।
 - PNP में आर्द्र परणपाती वन पाए जाते हैं, इनमें बाघ, चूहा, हरिण, गौर आदि जैसी पशु प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

और पढ़ें: जनजातीय समाज को सशक्त बनाने के लिये ओडिशा और आंध्र प्रदेश में ST सूची में PVTG को शामिल करने हेतु वधियक